प्रभात मित्तल
तकनीकी विश्लेषक

तेजी-मंदी का मूल्यांकन करने से बेहतर एक अच्छी ट्रेडिंग रणनीति

मेरे पास आए फोन कॉल्स, ई-मेल्स में सभी का एक ही सवाल रहता है कि ''प्रभात जी मार्केट क्या लग रहा है?'' किसी को भी यह पता नहीं होता है कि यह सवाल किस समय सीमा के लिए है? सभी को लाभ चाहिए, वह भी इतनी जल्दी कि खरीदो और 10-20 प्रतिशत का रिटर्न अतिशीघ्र मिल जाए. सभी का मानना रहता है कि प्रभातजी के पास मार्केट की इंटरनल न्यूज है, जो बोलेंगे, वही होगा और इसका लाभ हम क्यों न उठा लें?

मेरा मानना है कि इस मार्केट में कोई भगवान नहीं है. हम तो एक डाक्टर मात्र हैं जो कि मात्र एक बीमारी का इलाज कर सकते हैं. वर्तमान परिप्रेक्ष्य में सभी को मार्केट का काफी अच्छा ज्ञान है और क्यों न हो जब आज के इस वैज्ञानिक युग में टीवी और इंटरनेट जैसी सुविधाएं हैं जो निवेशकों और ट्रेडर्स को दिन ब दिन प्रशिक्षित करती जा रही हैं. परंतु दुख इस बात का है कि सभी को पता है कि वर्तमान में अच्छे फंटामेंटल्स स्टॉक क्या हैं, सभी को पता है कि मार्केट में आगे क्या होने वाला है फिर भी सन्नाटा!!

मेरा बार-बार एक ही कहना है कि आप निवेशक हैं तो मार्केट को रोज-रोज देखना बंद करते हुए अच्छी इकोनॉमिक कंडीशंस पर अच्छे फंडामेंटल्स स्टॉक्स में निवेश करें जो कि लंबावधि के लिए ही होना चाहिए. हमारे यहां के निवेशक हमेशा शार्ट-टर्म मार्केट का मूल्यांकन करते-करते खरीदते समय लांगटर्म निवेशक और बेचते समय अच्छे ट्रेडर्स बन जाते हैं. यह लालच नहीं तो और क्या है? यह धोखा नहीं तो और क्या है?

अगर कोई ट्रेडर को यह कहता है कि वह सटोरिया होता है तो हां मैं इस दुनिया का सबसे बड़ा सटोरिया हूं जिसको मुनाफावसूली करने में जितनी खुशी होती है, नुकसान बुक करने में उससे कहीं ज्यादा गर्व होता है. शार्टटर्म ट्रेडर्स के लिए मार्केट का शार्टटर्म मूल्यांकन करना अत्यंत आवश्यक होता है. पर जिद करना कतई जरूरी नहीं होता है. इस मार्केट में लोग ट्रेडिंग में इसीलिए नहीं कमा पाते हैं क्योंकि मुनाफा उठाते समय उनको सबसे जल्दी होती है और मुनाफा उठाने के बाद उनकी वही स्थिति होती है जो डायबिटीज पेशेंट की मिठाई खाने के बाद होती है. वहीं अगर मार्केट उनके ट्रेंड के उल्टा हो जाए तो फिर वे निवेशक बन जाते हैं और बड़ी मंदी में लंबी पोजीशन के साथ निम्न स्तरों पर कटते हैं और उनमें से कई दिलेर व्यक्ति या तो आत्महत्या का सहारा ले लेते हैं या अपने ब्रोकर को अपना मुरीद बना लेते हैं. ध्यान रहे कि तेजी के समय एक ब्रोकर द्वारा दी गई सुविधा मंदी के समय में आपकी सबसे बड़ी दुश्मन होगी.

इसलिए ट्रेडिंग करते समय अपने नुकसान को फिक्स करने की दशा में ही माल खरीदें और मार्केट के या स्टॉक के आपके अपोजिट आने की दशा में फौरन नुकसान उठाने का साहस करें. एक बार नुकसान उठाने की दशा में वह स्टॉक आपको एक बार नीचे में मिल सकता है जो कि मार्केट में पुल बैक में आपका नुकसान लौटा सकता है. वैसे मैं तो इतना बड़ा डाक्टर नहीं हूं कि हर बीमारी का इलाज कर पाऊं पर छोटी-मोटी बीमारी से बचाकर आपको स्वस्थ रख पाऊं, यही मेरी कामना है. द

शार्टटर्म ट्रेडर्स के लिए मार्केट का शार्टटर्म मूल्यांकन करना अत्यंत आवश्यक होता है. पर जिद करना कतई जरूरी नहीं होता है. इस मार्केट में लोग ट्रेडिंग में इसीलिए नहीं कमा पाते हैं क्योंकि मुनाफा उठाते समय उनको सबसे जल्दी होती है और मुनाफा उठाने के बाद उनकी वही स्थिति होती है जो डायबिटीज पेशेंट की मिठाई खाने के बाद होती है.

(लेखक के विचारों से दलाल स्ट्रीट इन्वेस्टमेंट जर्नल का सहमत होना अनिवार्य नहीं है.)